Name

Roll No.

कुल प्रश्नों की संख्या : 14 | कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

T-222010–B

विषय : हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

निर्देश : (*i*) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड-'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड-'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड-'क'

प्रश्न-1 अग्रलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"नम्रता ही स्वतंत्रता की जननी है" यह कथन उचित है। लोग भ्रमवश अहंकार को स्वतंत्रता की जननी मान लेते हैं किन्तु उन्हें इस बात का उचित ज्ञान नहीं होता कि अहंकार स्वतंत्रता का ही गला घोंट सकता है। स्वतंत्रता में स्वाभिमान अवश्य अनिवार्य तत्त्व है किन्तु स्वाभिमान को अहंकार तक संकुचित करना उचित नहीं है।

स्वतंत्रता में स्वाभिमान तथा नम्रता दोनों का संयोग जरूरी है। यह बात निश्चित है कि जो मनुष्य मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहता है उसके लिए स्वाभिमान तथा नम्रता जरूरी है। इससे आत्मनिर्भरता आती है तथा हमें अपने पैरों पर खड़ा होना आता है। आज युवा-वर्ग अपनी आकांक्षाओं तथा योग्यताओं के कारण आगे निकल गया है। लेकिन उसे ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे तथा बराबर के लोगों से कोमलता का व्यवहार करे। यह आत्म-मर्यादा के लिए आवश्यक है। इस संसार में जो कुछ हमारा है, उसमें बहुत से अवगुण तथा थोड़े गुण सब इस बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए। नम्रता से अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है, जिसके कारण मनुष्य दूसरों का मुँह देखता है, जिससे उनका संकल्प क्षीण तथा प्रज्ञा मंद पड़ जाती है। जिसके कारण आगे बढ़ने के समय भी हम पीछे रह जाते हैं और अवसर आने पर उचित निर्णय नहीं कर पाते हैं। इस प्रकार मनुष्य का जीवन उसके हाथों में है। सच्ची आत्मा वही है, जो विपरीत परिस्थितियों में स्वाभिमान तथा नम्रता को बनाए रखने में सफल होती है।

(*i*) आत्म-मर्यादा के लिए क्या जरूरी है? [2]

(*ii*) दब्बूपन से क्या तात्पर्य है? [2]

(*iii*) 'स्वाभिमान' तथा 'नम्रता' का स्वतंत्रता से क्या संबंध है? [2]

(*iv*) आज युवावर्ग से क्या अपेक्षा है? [2]

(*v*) 'आकांक्षा' के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। [2]

(*vi*) 'अपने पैरों पर खड़ा होना'—इस मुहावरे का अर्थ लिखिए। [1]

(*vii*) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। [1]

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

नव कोमल आलोक बिखरता हिम-संसृति पर भर अनुराग,
सित सरोज पर क्रीड़ा करता जैसे मधुमय पिंग पराग।
धीरे-धीरे हिम-आच्छादन हटने लगा धरातल से,
जगीं वनस्पतियाँ अलसाई मुख धोती शीतल जल से।
नेत्र निमीलन करती मानो प्रकृति प्रबुद्ध लगी होने,
जलधि लहरियों की अँगड़ाई बार-बार जाती सोने।
सिंधु-सेज पर धरावधू अब तनिक संकुचित बैठी-सी,
प्रलय-निशा की हलचल स्मृति में मान किए-सी ऐंठी-सी।
देखा मनु ने अतिरंजित विजन विश्व का नव एकांत,
जैसे कोलाहल सोया हो हिम-शीतल-जड़ता-सा श्रांत।
इन्द्रनीलमणि महाचषक था सोम-रहित उल्टा लटका,
आज पवन मृदु साँस ले रहा जैसे बीत गया खटका।

(*i*) आँखों को कौन झपकाने लगीं ? [1]

(*ii*) अलसाई वनस्पतियाँ क्या कर रही हैं ? [1]

(*iii*) लज्जित हुई-सी कौन बैठी है ? [1]

(*iv*) मनु ने क्या देखा ? [1]

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 निम्नलिखित में से किसी **एक** शीर्षक पर लगभग *200* शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(क) नारी सशक्तीकरण

(ख) परहित सरिस धरम नहिं भाई

(ग) सेल्फी का बढ़ता बुखार

(घ) सीमेंट के जंगलों में भटकी दुनिया

प्रश्न-4 अमानक व अव्यवस्थित सड़क निर्माण से हो रही दुर्घटनाओं पर ध्यानाकर्षण कराते हुए दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए। [1+3+1=5]

अथवा

कोरोना के बढ़ते प्रकोप से बचाव हेतु टीकाकरण की अनिवार्यता पर स्वास्थ्य मंत्री को एक पत्र लिखिए।

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]

(क) डिकोडिंग क्या है ?

(ख) इंटरनेट की दो कमियाँ लिखिए।

(ग) समाचार लेखन के कितने अवयव होते हैं ?

(घ) बीट रिपोर्टर किसे कहते हैं ?

प्रश्न-6 नाटक व कहानी में तीन प्रमुख अंतर लिखिए। [3]

अथवा

प्राचीन नाटकों में कौन-कौन से तीन प्रकार के कथोपकथन होते थे ?

प्रश्न-7 'त्यौहारों के नाम पर अपव्यय'—विषय पर फीचर लिखिए। [3]

अथवा

'संवेदनशील मतदान केन्द्र का दृश्य' विषय पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :

''झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना।''

(क) 'अमृत धाराएँ' किसान और कवि के संदर्भ में क्या हैं ? [2]

(ख) अक्षय पात्र किसे और क्यों कहा गया है ? [2]

(ग) कविता का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए। [1+1=2]

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2+2=4]

बच्चे, प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे—
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता
कितनी चंचलता है!
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!

(क) काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) काव्यांश में किन चित्रों द्वारा मार्मिकता उत्पन्न होती है ?

प्रश्न-10 (क) कविता और बच्चे को समानांतर रखने के तीन कारण लिखिए। [3]

(ख) फ़िराक की रुबाइयों में उभरे घरेलू जीवन के बिंबों का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। [3]

प्रश्न-11 अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2+2+2=6]

यह बात सच है कि दूर रहने से हमें यथार्थता की कठोरता का अनुभव नहीं होता। यही कारण है कि जो तरुण संसार के जीवन संग्राम से दूर हैं, उन्हीं को संसार का चित्र बड़ा ही मनमोहक प्रतीत होता है। प्रेम की वेदना ही उनके लिए वेदना है। प्रियतमा की निष्ठुरता ही उनके लिए निष्ठुरता है। प्रेम का व्यवसाय ही उनका एक व्यवसाय है। प्रेम ही उसके लिए आटा-दाल है और प्रेम ही उनका सर्वस्व है। ये प्रियतमा की गोद में रोग की यंत्रणा भूल जाते हैं। प्रियतमाएँ भी संध्या के समय में प्रियतम के अंक में मृत्यु का अनुभव करने के लिए लंबी यात्रा का कष्ट सह लेती हैं। तरुणों के लिए रोग और मृत्यु दोनों सुखद हैं, क्योंकि दोनों में प्रेम की मधुरता है पर संसार में प्रविष्ट होते ही प्रेम का यह कल्पित संसार न जाने विलीन हो जाता है।

(क) तरुणों के लिए रोग और मृत्यु दोनों सुखद क्यों होते हैं ?

(ख) लेखक के अनुसार तरुणों के जीवन का परम लक्ष्य क्या होता है ?

(ग) तरुणों को क्या मनमोहक लगता है, और क्यों ?

प्रश्न-12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) शेर का बच्चा कौन था ? [1]

(ख) भगत जी बाजार को सार्थक व समाज को शांत कैसे कर रहे थे ? 'बाजार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए। [3]

(ग) नमक ले जाने के बारे में सफ़िया के मन में उठे द्वन्द्वों के आधार पर उसके चरित्र की किन्हीं तीन विशेषताओं को लिखिए। [3]

(घ) डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 'समता' संबंधी क्या विचार हैं ? लिखिए। [3]

प्रश्न-13 'जूझ' कहानी के प्रमुख पात्र आनंदा के स्वभाव की चार विशेषताएँ लिखिए। [1×4=4]

अथवा

'सम हाउ इंप्रापर' वाक्यांश का प्रयोग यशोधर बाबू लगभग हर वाक्य के प्रारंभ में 'तकिया-कलाम' की तरह करते हैं। इस वाक्य का उनके व्यक्तित्व और कहानी के कथ्य से क्या संबंध बनता है ? लिखिए। [4]

प्रश्न- 14 (क) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। [4]

अथवा

'जूझ' कहानी के लेखक के जीवन-संघर्ष के उन चार बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए, जो हमारे लिए प्रेरणादायक हैं। [1×4=4]

(ख) 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर उन जीवन-मूल्यों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए, जो समय के साथ बदल रहे हैं। [4]

अथवा

किन-किन बातों को ध्यान में रखकर हम सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल-संस्कृति' कह सकते हैं ? किन्हीं चार बिन्दुओं में तर्क दीजिए। [1×4=4]

———